भारत सरकार
Government of India
केन्द्रीय जल आयोग
Central Water Commission
बाढ़ पूर्वानुमान प्रबोधन निदेशालय
Flood Forecast Monitoring Directorate

Tele : 011-29583829, 29583545 e-mail : fmdte@nic.in, ffmcwc@gmail.com

भू तल, विंग 7 , पश्चिमी खण्ड–2,
रामाकृष्ण पुरम, नई दिल्ली–110066

विषय : दिनांक 02-07-2024 की समाचार की कतरन ( News Clippings ) प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में ।

मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचारों की कतरन ( News Clippings ) अवलोकन हेतु प्रस्तुत हैं :

सलंग्न : उपरोक्तानुसार

02/07/2024
( सहायक निदेशक)
EAD (HM)

उपनिदेशक 02/07/2024

निदेशक (बा.पू.प्र.) 2/7/2024

नव भारत टाइम्स - 02-07-2024



# IMD का अनुमान, सामान्य से अधिक बारिश होगी इस महीने

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

जून में कम बारिश के बाद जुलाई में मॉनसून में अच्छी बारिश की संभावना है। सोमवार को मौसम विभाग ने जुलाई में देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश की संभावना जताई। मौसम विभाग के डीजी मृत्युंजय मोहापात्रा ने कहा कि नॉर्थ ईस्ट इंडिया के ज्यादातर हिस्सों और नॉर्थ वेस्ट, ईस्ट और साउथ ईस्ट पेनिनसुलर इंडिया के कुछ हिस्सों को छोड़ दें तो देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश की संभावना है। जुलाई में 28.04 सेंटीमीटर बारिश होती है। सामान्य से अधिक बारिश का अर्थ है कि 106% या इससे अधिक बारिश होगी। जुलाई में नॉर्थवेस्ट इंडिया के कई हिस्सों और साउथ पेनिनसुलर इंडिया में अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहेगा। मध्य भारत, ईस्ट और नॉर्थ ईस्ट इंडिया के अलावा वेस्ट कोस्ट में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है। देश के ज्यादातर हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। नॉर्थ वेस्ट इंडिया और मध्य भारत में यह सामान्य रह सकता है।

**मौसम विभाग ने कहा, जून में 11% कम हुई बारिश**

PTI

असम के कई गांवों में अधिक बारिश होने से बाढ़ के हालात हैं।

## महाराष्ट्र: सड़क पर मगरमच्छ

PTI

■ महाराष्ट्र के रत्नागिरी में रविवार की रात बारिश के बीच आठ फुट लंबा मगरमच्छ सड़क पर रेंगता हुआ नजर आया।

■ एक अधिकारी ने बताया कि मगरमच्छ पास की शिव या वाशिष्ठी नदी से बहकर आया होगा। इसका विडियो वायरल है।

**1901 से अब तक सबसे गर्म रहा नॉर्थ वेस्ट इंडिया:** जून में नॉर्थ वेस्ट इंडिया लू से बुरी तरह प्रभावित रहा। यह हिस्सा 1901 से लेकर अब तक सबसे अधिक गर्म रहा। जून में इस हिस्से का औसत तापमान 31.73 डिग्री रहा। इससे पूर्व जून 1947 में यह 31.69 डिग्री रहा था। वहीं औसत अधिकतम तापमान 38.02 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.96 डिग्री अधिक है। औसत न्यूनतम तापमान भी 25.44 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.35 डिग्री अधिक रहा।

**मॉनसून के पहले महीने जून में सामान्य से कम बारिश:** मॉनसून के पहले महीने जून में देश में सामान्य से 11% कम बारिश हुई है। हालांकि यह बारिश बीते पांच सालों में हुई बारिश के मुकाबले अधिक है। IMD के अनुसार, जून में देश भर में 147.2 एमएम बारिश हुई है। सामान्य बारिश 165.3 एमएम है। जून में 16 दिन सामान्य से कम बारिश हुई। 11 से 27 जून तक बारिश की कमी रही। सबसे अधिक कमी नॉर्थ वेस्ट इंडिया में 33% रही। इसके बाद मध्य भारत में 14% की और ईस्ट और नॉर्थ ईस्ट इंडिया में 13% कम बारिश हुई। साउथ इंडिया में 14% अधिक बारिश हुई।

हिन्दुस्तान - 02-07-2024

# राजधानी में हुई भारी बारिश बादल फटने जैसी घटना थी

**दावा**

**नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता।** दिल्ली में 28 जून की सुबह हुई भारी बारिश बादल फटने जैसी थी। मानकों के अनुसार, एक घंटे के भीतर 100 मिलीमीटर बारिश होने पर उसे बादल फटने की घटना माना है। राजधानी में एक घंटे में 91 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी। इसलिए माना जा रहा है कि यह बारिश बादल फटने के करीब थी।

दिल्ली में मानसून के आगमन के साथ ही 28 जून की सुबह भारी बारिश हुई। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग ने 24 घंटे के भीतर 228.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की। बीते 88 साल में पहली बार जून के किसी एक दिन में इतनी ज्यादा बारिश हुई थी, जिसने पूरी राजधानी को अस्त-व्यस्त कर दिया। तमाम इलाकों में पानी भर गया और तेज बारिश के चलते हुई दुर्घटनाओं में कई लोगों की जान चली गई। कई स्थानों पर अंडरपास बंद करने पड़े और कुछ जगहों पर मेट्रो में भी लोगों के प्रवेश रोका गया। दिल्ली के वीवीआईपी इलाके लुटियन दिल्ली में सांसदों के आवास में भी पानी जमा हो गया। मौसम विभाग का मानना है कि यह घटना बादल फटने के करीब मानी जा सकती है।

**महापात्रा ने कहा, बेहद करीब थे :** सोमवार को आयोजित पत्रकारवार्ता में मौसम विभाग के प्रमुख मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि इसे बादल फटना तो नहीं कह सकते हैं, लेकिन यह बादल फटने जैसी घटना के काफी करीब था। मौसम विभाग के मुताबिक, 20-30 वर्ग किलोमीटर के दायरे में जब एक घंटे के भीतर 100 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश होती है तो उसे बादल फटना माना जाता है। 28 जून की सुबह पांच से छह बजे के बीच सफदरजंग मौसम केंद्र ने 91 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की। यानी दिल्ली बादल फटने जैसी घटना के पास थी।

**जलभराव में सात करोड़ की गाड़ी फंसने का वीडियो वायरल :** दिल्ली के जलभराव में एक लग्जरी गाड़ी के भी फंसने का वीडियो वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर लोग लगभग सात करोड़ कीमत की कीमत वाली इस गाड़ी के फंसने को लेकर अलग-अलग टिप्पणी कर रहे हैं।

**कांग्रेस ने एक करोड़ का मुआवजा देने की मांग की :** दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने भारी बारिश के चलते मरने वाले लोगों के परिजनों को एक करोड़ का मुआवजा देने की मांग की है। सोमवार को उन्होंने जारी बयान में कहा कि राजधानी में बारिश के बाद हुए जलभराव से हुई मौतें कोई हादसा नहीं बल्कि हत्या है। बारिश के कारण 11 मौतें हुई हैं और इनमें बच्चे भी शामिल हैं।

**भाजपा ने आप को जिम्मेदार ठहराया :** दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सोमवार को पत्रकारवार्ता कर आरोप लगाया है कि अगर फिर तेज बारिश हुई तो दिल्ली डूबेगी। जलभराव के लिए आप सरकार जिम्मेदार है। सचदेवा ने आरोप लगाया कि 28 जून को लोक निर्माण विभाग द्वारा दिल्ली में लगाए 696 स्थाई वाटर निकासी पंपों में से 400 से अधिक काम ही नहीं कर रहे थे।

आजादपुर मार्केट अंडरपास में गत शुक्रवार को जलभराव में फंसी बस से यात्रियों को निकालते लोग। • फाइल फोटो

## कई परिघटनाओं के चलते बरसा पानी

दिल्ली में हुई भारी बारिश कई अलग-अलग मौसमी परिघटनाओं के चलते हुई थी। मौसम विभाग के मुताबिक, कई मानसूनी मौसमी सिस्टम दिल्ली-एनसीआर के ऊपर एकत्रित हो गए थे, जिसके चलते बहुत ही सघन थंडरस्टार्म (आंधी-तूफान) की स्थिति बनी और दिल्ली के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई।

## तीन नए रडार से पूर्वानुमान सटीक होंगे

मौसम विभाग के प्रमुख ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में मौसम के पूर्वानुमान को और भी ज्यादा सटीक बनाया जाएगा। इसके लिए पूरे क्षेत्र में तीन और रडार लगाने की तैयारी है। अगले दो-तीन साल में इन्हें स्थापित कर दिया जाएगा। फिलहाल पालम, आयानगर और मौसम भवन में तीन रडार लगाए गए हैं।

THE HINDU - 02-07-2024

# After scorching June, surplus rainfall predicted in July

Jacob Koshy
NEW DELHI

Rainfall in July – typically the rainiest of the four monsoon months – is likely to be 'above normal' or greater than 106% of the 28 cm that is usual for July, the India Meteorological Department (IMD) said on Monday. After 'below normal' rainfall in June, the surplus rainfall in July is expected to help agriculture and boost prospects for kharif sowing.

Nearly all of India is expected to see surplus rainfall except for eastern, northeastern, and northwestern India, IMD Director-General M. Mohapatra said at a press conference.

The munificent July rain is premised on a 60% chance of the emergence of a La Nina – the converse of an El Nino – and the cooling of the central equatorial Pacific by a degree or more. Historically, 20 of the 25 years since 1950 that have seen 'below normal' rain in June have resulted in 'normal' or 'above normal' rain in July, Mr. Mohapatra said.

People use a makeshift raft to help a toddler move to safety following heavy rain in Nagaon district of Assam on Monday. PTI

"Above-normal rainfall can significantly benefit agriculture and water resources but also bring potential risks such as flooding, landslides, surface transport disruptions, public health challenges, and ecosystem damage. To manage these risks effectively, it is essential to reinforce infrastructure, utilise IMD's early warnings, enhance surveillance and conservation efforts, and establish robust response systems in vulnerable sectors," the agency said in a press statement.

Were the forecast to bear out, it would bring significant relief from what would be one of the most intense spells of heatwaves to have scorched the country from March to June.

### Heatwave days

The IMD made public statistics showing that this summer, India experienced around a total of 536 'heatwave' days when counted across all 36 meteorological subdivisions – the highest since 2010.

In June alone, India experienced 181 such heatwave days. To be sure, the IMD divides India into 36 meteorological subdivisions, and a heatwave on the same calendar day registered in, say, five subdivisions, are counted as five 'heatwave days.'

THE HINDU-02-07-2024

## Flood fury

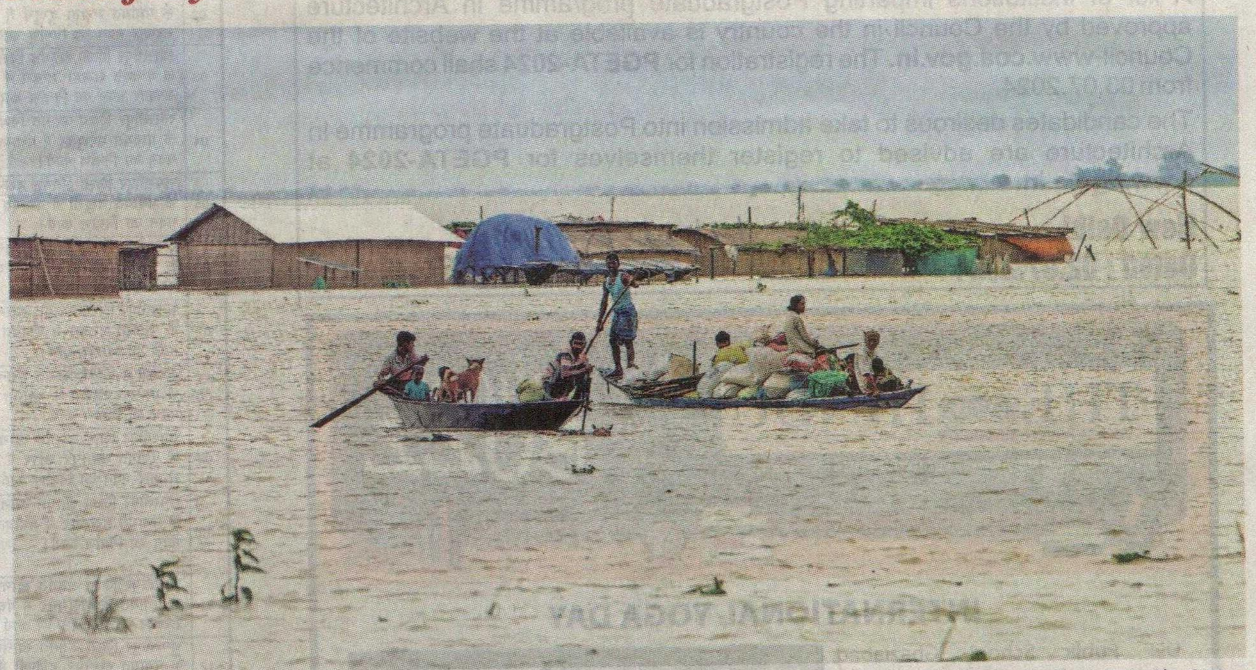

**Submerged:** Villagers use a boat to cross a flood-affected area in Assam's Morigaon district on Monday. The flood situation across the State continued to deteriorate with incessant rains inundating many districts, affecting lakhs of people. PTI

HINDUSTAN TIMES-02-07-2024

# Assam villagers seek refuge amid floods

Villagers try to escape to a safer location after heavy rainfall at Borghuli village in Nagaon, Assam, on Monday left the area flooded. ANI